या मिर्जापुर को सदर तहसील को औद्योगिक रूप से पिछड़ा घोषित किया जाये तथा मिर्जापुर शहर के आसपास कम से कम एक बड़ा तथा कुछ मझोले उद्योग स्थापित किये जायें।

(iv) Relief measures for flood affected areas in katihar district, Bihar.

श्री तारिक अनवर (कटिहार) : उपाध्यक्ष महोदय अब तक तो बिहार सूखे से जूझ रहा था किन्तु अब बाढ़ से जुलस रहा है। अभी विशेष वर्षा न होने पर भी मेरे निर्वाचन क्षेत्र कटिहार जिले के आमदाबाद ब्लाक स्थित ग्राम गुमागाची तथा आजमनगर ब्लाक में अबोल महानन्दा नदी के कटाव के कारण चिन्ताजनक हालत में है तो बरारी ब्लाक में जौनियां कटिबंध तथा टोपरा चौकिया पहाड़पुर तटबन्ध के चेन सं० शून्य से 200 तक में गंगा नदी के कटाव से गम्भीर खतरा उत्पन्न हो गया है। महानन्दा तटबन्ध के अबोल ग्राम में तटबन्ध टूट गया है एवं उसी तटबंध के सिकटिया, बहारखाल एवं शेशपुरा में भयंकर कटाव जारी है। किसी समय भी तटबंध कट सकता है। इसलिए उन उसभी लोगों को बचाने के लए तत्काल कोई उचिबत व्यवस्था सरकार करे :

बाढ़ की उक्त स्थिति से निपटने के लिए काफी पहले एक योजना बनाई गई थी और उस के एस्टीमेट को भी अक्टूबर 1981 में स्वीकृति प्रदान कर दी गई थी। किन्तु सम्बन्धित अधिकारियों की लापरवाही के कारण ही 10 महीने बीतने पर भी कोई कार्यान्वियन आज तक नहीं हो सका तथा बाढ़ का खतरा क्षेत्र की जनता के समक्ष उपस्थित हो गया। इस प्रकार की स्थिति के कारण वहां की जनता में रोष एवं क्षोभ व्याप्त है जो स्वाभाविक भी है।

मेरा केन्द्रीय सरकार से अनुरोध है कि कटिहार जिले की जनता को बाढ़ की भयावह स्थिति से बचाने के लिए तत्काल कोई ठोस व्यवस्था करें तथा उन लोगों को रसद आदि भी पहुंचावें ताकि उन के सामने भुखमरी की स्थिति और अधिक पैदा न हो। इस के साथ ही बाढ़ का प्रकोप शान्त होने के तत्काल बाद ही उक्त योजना पर अमल शुरू कराया जावें ताकि भविष्य में बाढ के कारण होने वाले जन एवं धन के नुकसान से बचाया जा सके और वहां की जनता को भी कष्टों से मुक्ति मिल सके।

(v) Observing 17th September, the birthday of Periyar E. V. Ramaswamy as Social justice Day.

***Shri Jai Pal Singh Kashyap (Aonla)** : September 17 should be declared the Social Justice Day to honour the birthday of Thanthai Periyar. From 1922 to 1973 Thanthai Periyar had waged a relentless war on **Vanashram dharma** and the consequent social atrocities. He was born in Brode on 17th September. His birthday has become a day of jubliation among the people of the entire country. He sacrificed his life at the altar of service to the Scheduled Castas and backward classes and for their social equality and upliftment. His birthday September 17, should be dedicated to his memory as the Social Justice Day.

(vi) Alleged crisis in publishing industry due to high cost of paper.

***Shri Arjun Sethi (Bhadrak)** : I would like to raise the following matter of urgent public importance under rule 377. The Publishing Industry is facing serious crisis due to high cost of paper. The industry has been unable to obtain paper at concessional rate for text books during the last one year. The non-availability of paper led to the increase in the prices of the text books. The number of new publications has also come down.

It is regrettable that the paper prices have gone up 400 per cent over the last decade. This has resulted in a rise in prices of books, which had hit not only the general public but also the students, authors and, above all, the publishers themselves.

Unless the rise in prices of paper is checked the Government plan for spreading literacy and education will not be fully implemented. Therefore, the publishing houses should be supplied paper at

*The original speech was delivered in Tamil.

*The original speech was delivered in Oriya.